This question paper contains3 printed pages]

S.No. of Question Paper : 6222

Roll No. ...2018......

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Unique Paper Code : 213303

Name of the Paper : Paper-10 : Proficiency in Sanskrit Language-II

Name of the Course : B.A. (Hons.)

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : Unless otherwise required in a question, answer should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न–पत्र का उत्तर संस्कृत या हिंदी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer All questions

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. प्रत्येक खण्ड से दो सूत्रों को चुनते हुए किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिये : 4x5=20

Choosing two Sutras from each section, explain any four Sutras with their example :

खण्ड (क)

सम्बोधने च, अभिनिविशश्च, साधकतमं करणम् , चतुर्थी सम्प्रदाने ।

खण्ड (ख)

ध्रुवमपायेऽपादानम् , आख्यातोपयोगे, कर्तृकर्मणोः कृति, सप्तम्यधिकरणे च ।

2. प्रत्येक भाग से दो वाक्यों को चुनते हुए किन्हीं चार वाक्यों में रेखाङ्कित पदों में सूत्रोल्लेखपूर्वक प्रयुक्त विभक्तियों का कारण बताइये : 4x2=8

Choosing two sentences from each section, explain the cause of Vibhakti in underlined words in total four sentences :

भाग (अ)

(क) <u>गां</u> दोग्धि पयः ।

(ख) <u>हरिम्</u> अन्तरेण न सुखम् ।

(ग) <u>रामेण</u> सह आगतः ।

(घ) <u>बालकाय</u> मोदकं रोचते ।

भाग (आ)

(क) चौरात् बिभेति ।

(ख) यवेभ्यो गां वारयति ।

(ग) कटे आस्ते ।

(घ) मातरि साधुः ।

3. खण्ड (क) से तीन तथा खण्ड (ख) से दो समस्त पदों को चुनकर कुल पाँच पदों में विग्रहोल्लेखपूर्वक सूत्रज्ञापन तथा समासनिर्देश कीजिये : 5x5=25

Choosing **three** compounds from the section (क) and **two** compounds from the section (ख),attempt total 5 compounds with their Vigraha, Sutra and the name of the Samasa :

खण्ड (क)

भूतपूर्वः, कूपपतितः, यूपदारु, चौरभयम् , अक्षशौण्डः, कुपुरुषः, अनश्वः, पूर्वकायः ।

खण्ड (ख)

अधिहरि, शिवकेशवौ, कण्ठेकालः, पञ्चगङ्गम् ।

4. किन्हीं तीन स्त्री प्रत्ययान्त शब्दों में सूत्रोल्लेखपूर्वक प्रत्यय बताइये : 3x2=6

Name the Pratyaya in any **three** words ending in feminine suffixes indicating corresponding Sutras :

पचन्ती, मृद्वी, गौरी, गार्गी, एनी, इन्द्राणी ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिये : 3x2=6

Explain any two sutras.

अजाद्यतष्टाप् , यूनस्तिः, वयसि प्रथमे, यजश्च ।

6. निम्नाङ्कित में से किन्हीं पाँच वाक्यों में वाच्य परिवर्तन कीजिये : 5x2=10

Change the voice in any **five** sentences :

(1) श्यामः ग्रन्थं पठति ।

(2) मया लेखः लिखितः ।

(3)अहं पाठं पठितवान् ।

(4) बालकाः ग्रामं गच्छन्ति ।

(5) छात्रौ फलानि खादतः ।

(6) त्वं क्रीडसि ।

(7) लता गीतं गायति ।

(8) अजां ग्रामं नयति ।

(9) रामेण बाणेन हतो बालि ।

(10) हरिः पुस्तकम् अधीते ।

DESHBANDHU COLLEGE
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

5/12/18

26

[This question paper contains 8 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **7545** **IC**

Unique Paper Code : 12131301

Name of the Course : **B.A.(Hons.) Sanskrit - CBCS**

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature

Semester : III

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

Instructions for Candidates :

परिक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **Sanskrit** or in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

(c) Answer **all** questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. Translate the following : 3×4=12

निम्नलिखित का अनुवाद करें :

(क) खगाः वासोपेताः सलिलमवगाढो मुनिजनः
प्रदीप्तोऽग्निर्भाति प्रविचरति धूमो मुनिवनम्।
परिभ्रष्टो दूराद्रविरपि च संक्षिप्तकिरणो
रथं व्यावर्त्यासौ प्रविशति शनैरस्तशिखरम्।।

OR

अथवा

अहमवजितः पूर्वं तावत् सुतैः सह लालितो
दृढमपहृता कन्या भूयो मया न च रक्षिता।
निधनमपि च श्रुत्वा तस्यास्तथैव मयि स्वता
ननु यदुचितान् वत्सान् प्राप्तुं नृपोऽत्र हि कारणम्।।

(ख) इदं किलाव्याजमनोहरं वपु-
स्तपःक्षमं साधयितुं य इच्छति।
ध्रुवं स नीलोत्पलपत्रधारया
समिल्लतां छेतुमृषिर्व्यवस्यति।।

OR

अथवा

शुश्रूषस्व गुरुन्कुरु प्रियसखीवृत्तिं सपत्नीजने
भर्तुर्विप्रकृतापि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गमः।
भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी
यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः।।

(ग) प्राकारं परितः शरासनधरैः क्षिप्रं परिक्रम्यतां
द्वारेषु द्विरदैः प्रतिद्विपघटाभेदक्षमैः स्थीयताम्।
त्यक्त्वा मृत्युभयं प्रहर्त्तुमनसः शत्रोर्बले दुर्बले
ते निर्यान्तु मया सहैकमनसो येषामभीष्टं यशः।।

OR

अथवा

श्यामीकृत्याननेन्दूनरिपुयुवतिदिशां सन्ततैः शोकधूमैः
कामं मन्त्रिद्रुमेभ्यो नयपवनहृत्तं मोमभस्म प्रकीर्य्य।
दग्ध्वा सम्भ्रान्तपौरद्विजगणरहितान् नन्दवंशप्ररोहान्
दाह्याभावान्न खेदाज्जवलन इव वने शाम्यति क्रोधवह्निः।।

2. Explain with references to the context of the following : 3×6=18

निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या करें :

(क) परिहरतु भवान् नृपापवादं
न परुषमाश्रवासिषु प्रयोज्यम्।
नगरपरिभवान् विमोक्तुमेते
वनमभिगम्य मनस्विनो वसन्ति।

OR

अथवा

प्रच्छाद्य राजमहिषीं नृपतेहितार्थं
कामं मया कृतमिदं हितमित्यवेक्ष्य।
सिद्धेऽपि नाम मम कर्मणि पार्थिवोऽसौ
किं वक्ष्यतीति हृदयं परिशकितं मे।।

(ख) शुद्धान्तदुर्लभमिदं वपुराश्रमवासिनो यदि जनस्य।
दूरीकृताः खलु गुणैरुद्यानलता वनलताभिः।।

OR

अथवा

अर्थो हि कन्या परकीय एव
तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः।
जातो ममायं विशदः प्रकामं
प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा।।

(ग) स्वयमाहृत्य भुञ्जाना बलिनोऽपि स्वभावतः।
गजेन्द्राश्च नरेन्द्राश्च प्रायः सीदन्ति दुःखिताः।।

OR

अथवा

उत्सिक्तः कुसचिवदृष्टाराज्यभारो
नन्दोऽसौ न भवति चन्द्रगुप्त एषः।
चाणक्यस्त्वमपि च नैव केवलं ते
साधर्म्यं मदनुकृतेः प्रधानवैरम्।।

3. Explain any **one** in Sanskrit of the following : 7

निम्नलिखित में से किसी **एक** की संस्कृत में व्याख्या करें :

सुखमर्थो भवेद् दातुं सुखं प्राणाः सुखं तपः।
सुखमन्यद् भवेद् सर्वं दुःखं न्यासस्य रक्षणम्।।
ययातेरिव शर्मिष्ठा भर्तुर्बहुमता भव।
सुतं त्वमपि सम्राजं सेव पूरुमवाप्नुहि।।

OR

अथवा

शममेष्यति मम शोकः कथं नु वत्से त्वयारचितपूर्वम्।
उटजद्वारविरुढं नीवारबलिं विलोकयतः।।

4. write short notes on any **two** of the following : 2×4=8

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

नान्दी, विष्कम्भक, विदूषक, प्रस्तावना

5. Discuss the importance of first or sixth act of 'स्वप्नवासवदत्तम्' drama. 15

'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक के प्रथम अथवा षष्ठ अंक का महत्त्व बताइए।

OR

अथवा

Explain the dramatic style of Kalidasa according to अभिज्ञानशाकुन्तलम्".

'अभिज्ञानशाकुन्तलम्" के आधार पर कालिदास की नाट्यकला की विवेचना कीजिए।

OR

अथवा

Discuss the importance of third act of 'मुद्राराक्षस' drama .

'मुद्राराक्षस' नाटक के तृतीय अंक का महत्त्व बताइए।

6. Focus on features of Sanskrit drama. 15

संस्कृत नाटकों के स्वरुप पर प्रकाश डालिए।

OR

अथवा

Write short notes on any **two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :

कालिदास, भवभूति, विशाखदत्त, भास

DESHBANDHU COLLEGE
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

27

This question paper contains 7 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **7546** **IC**

Unique Paper Code : 12131302

Name of the Course : **B.A.(Hons.) Sanskrit - CBCS**

Name of the Paper : Poetics and Literary Criticism

Semester : III

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **Sanskrit** or in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

(c) Answer **all** questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. Throw light on origin and development of Sanskrit Poetics. 10

संस्कृत साहित्यशास्त्र के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

OR

अथवा

Throw light on the different forms of 'Kāvya'.

काव्य के विभिन्न रूपों पर प्रकाश डालिए।

2. Write an introduction of Mahākāvya according to Sāhityadarpana. 10

साहित्यदर्पण के अनुसार महाकाव्य का परिचय दीजिए।

OR

अथवा

Write an essay on the contribution of Acharya Vishvanath to Sanskrit poetics.

संस्कृत साहित्यशास्त्र को आचार्य विश्वनाथ के योगदान पर निबन्ध लिखिए।

3. Give definition of Gadyakāvya and discuss its types. 8

गद्यकाव्य का लक्षण दीजिए तथा इसके भेदों की समीक्षा कीजिए।

OR

अथवा

Write a short notes on any **Two** of the following :

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(i) काव्य-हेतु

(ii) नाटक

(iii) खण्ड-काव्य

(iv) तात्पर्यार्थ

4. Critically examine the Abhidhā or lakshanā according to Kāvyaprakaṣa. 10

काव्यप्रकाश के अनुसार अभिधा अथवा लक्षणा की समीक्षा कीजिए।

5. Evaluate the explanation of 'Utpattivāda' on Bharata's Rasasūtra. 11

भरत के रससूत्र की 'उत्पत्तिवाद' व्याख्या का मूल्यांकन कीजिए।

OR

अथवा

Critically examine the transcendental nature (Alaukikatā) of Rasa.

रस की अलौकिकता की समीक्षा कीजिए।

6. (क) Define with example any **two** of the following figures of speech : 10

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अलंकारों का उदाहरण सहित लक्षण लिखिए :

विभावना, अनुप्रास, दीपक, तुल्ययोगिता, व्यतिरेक

(ख) Explain and name the figures of speech used in any **two** of the following verses : 6

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों में अलंकार का लक्षण घटित करते हुए नाम निर्देश कीजिए :

(i) नवपलाशपलाशवनं पुरः स्फुटपरागपरागत पंकजम्।
मृदुलतान्तलतान्तमलोकयत् स सुरभिं सुरभि सुमनोभरैः।।

(ii) क्व सूर्यप्रभवो वंशः क्व चाल्पविषया मतिः।
तितीर्षुर्दुस्तरं मोहादुडुपेनास्मि सागरम्।।

(iii) कृपणानां धनं नागानां फणमणिः केसराः सिंहानाम्।
कुलबालिकानां स्तनाः कुतः स्पृश्यन्तेऽमृतानाम्।।

(iv) प्रतिकूलतामुपगते विधौ विफलत्वमेति बहुसाधनता।
अवलम्बनाय दिनभर्तुरभून्न पतिष्यतः करसहस्रमपि।।

7. (क) Define and illustrate any **two** of the following metres : 3×2=6

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** छन्दों का लक्षण एवं गणनिर्देशपूर्वक उदाहरण दीजिए :

उपजाति, वसन्ततिलका, स्रग्धरा, अनुष्टुप्

(ख) Scan and name the meter in any **two** of the following : 2×2=4

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में गणनिर्देश करते हुए छन्द का नाम बताइये :

(i) आपरितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम् ।
बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः ।।

(ii) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति ।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम् ।।

(iii) केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं हारा न चन्द्रोज्ज्वला
न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं नालङ्कृता मूर्धजाः ।
वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता धार्यते
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् ।।

(iv) यदालोके सूक्ष्मं व्रजति सहसा तद्विपुलतां
यदर्धे विच्छिन्नं भवति कृतसंधानमिव तत् ।
प्रकृत्या यद्वक्रं तदपि समरेखं नयनयो-
र्न मे दूरे किञ्चित्क्षणमपि न पार्श्वे रथजवात् ।।

14/12/18

DESHBANDHU COLLEGE
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

28

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **7547** **IC**

Unique Paper Code : 12131303

Name of the Course : **B.A.(Hons.) Sanskrit-CBCS**

Name of the Paper : Indian Social institutions and Polity (C-7/Core)

Semester : III

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **Sanskrit** or in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

(c) **All** questions are compulsory.
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

SECTION - A
खण्ड–अ

1. Answer any **three** among the following : 3×15=45

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) Explain the concept of Indian social institutions as described in Sanskrit literature.
संस्कृत साहित्य में वर्णित भारतीय सामाजिक संस्थाओं की अवधारणा स्पष्ट करें।

(ii) Explain the origin of caste system and analyse inter-caste marriages.
जाति व्यवस्था का उद्भव बताते हुए अन्तर्जातीय विवाहों का विश्लेषण करें।

(iii) Describe the position of women in the Mahabharata Society.
महाभारतकालीन समाज में नारी की स्थिति का वर्णन करें।

(iv) Analyze the concept of monarchy in Vedic Literature.
वैदिक साहित्य में वर्णित राजतन्त्र का विश्लेषण कीजिए।

(v) Describe the Coronation of Samrat according to Shatpatha Brahmin.
शतपथ ब्राह्मण में वर्णित सम्राट् के राज्याभिषेक का वर्णन करें।

(vi) Explain the concept of welfare state according to Kautilya Arthashastra.
कौटिलीय अर्थशास्त्र के अनुसार कल्याणकारी राज्य की अवधारणा स्पष्ट करें।

(vii) Explain the Saptanga Theory.
सप्ताङ्ग सिद्धान्त का विवेचन करें।

SECTION - B
खण्ड–ब

2. Write short notes : 2×7=14
लघु टिप्पणियाँ लिखिए :

(i) Varna System or Four Purusharthas
वर्ण व्यवस्था अथवा पुरुषार्थ–चतुष्टय

(ii) Satyagraha or Somdev Suri
सत्याग्रह अथवा सोमदेव सूरी

SECTION - C

खण्ड–स

3. Explain any **two** of the following verses with at least one of them in **Sanskrit** :

2×8=16

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पद्यों की व्याख्या कीजिए, जिनमें से कम से कम एक **संस्कृत** में हो :

(i) श्रुतिः स्मृतिः सदाचारः स्वस्य च प्रियमात्मनः ।
सम्यक्संकल्पजः कामो धर्ममूलमिदं स्मृतम् ।।

(ii) जामयो यानि गेहानि शपन्त्यप्रतिपूजिताः ।
तानि कृत्याहतानीव विनश्यन्ति समन्ततः ।।

(iii) यस्मादेषां सुरेन्द्राणां मात्राभ्यो निर्मितो नृपः ।
तस्मादभिभवत्येष सर्वभूतानि तेजसा ।।

(iv) नित्यं रक्षितः मन्त्रः स्याद् यथामूकः शरच्छिखी ।
श्लक्ष्णाक्षरतनुः श्रीमान् भवेच्छास्त्रविशारदः ।।